

## अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति और आंदोलन क्यों? (Why revolution and movement against the British?)

परिचय:— अंग्रेजों का भारत में आना और भारत पर 150 वर्षों तक राज करना भारत के शूद्रों और महिलाओं के लिये वरदान साबित हुआ तथा शूद्रों और महिलाओं की आजादी का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट (turning point) रहा। ब्राह्मणों ने अंग्रेजों को भगाने का हथियार बन्द आंदोलन क्यों चलाया? जबकि भारत पर सबसे पहले हमला मुस्लिम शासक मीर काशीम ने 712 ई. में किया, उसके बाद महमूद गजनबी, मोहमंद गौरी, चन्गोज खान ने हमला किया और फिर कुतुबदीन एबक, गुलामवंश, तुगलकवंश, खिलजीवंश, लोदीवंश फिर मुगल आदि वंशों ने भारत पर लगभग 1000 वर्षों तक राज किया और खूब अत्याचार किए लेकिन ब्राह्मण ने कोई क्रांति या आंदोलन नहीं चलाया ? फिर अंग्रेजों के खिलाफ ही क्रांति और आंदोलन क्यों चलाया ? आइए समझते हैं।



### अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति और आंदोलन की वजह —

01. 1795 ईस्वी अंग्रेजों ने में अधिनियम 11 द्वारा शूद्रों को भी संपत्ति रखने का कानून बनाया।
02. 1773 ईस्वी में ईस्ट इंडिया कंपनी ने रेगुलेटिंग एक्ट पास किया जिसमें न्याय व्यवस्था समानता पर आधारित थी 16 में 1975 को इसी कानून द्वारा बंगाल के सामंत ब्राह्मण नंदकुमार देव को फांसी हुई थी।
03. 1804 अधिनियम 3 द्वारा कन्या हत्या पर अंग्रेजों ने रोक लगाई, लड़कियों के पैदा होते ही तालू में अफीम चिपका कर, स्तन पर धतूरे का लेप लगाकर एवं गड्ढा बनवाकर उसमें दूध डालकर डुबोकर मारा जाता था
04. 1813 ईस्वी में ब्रिटिश सरकार ने कानून बनाकर शिक्षा ग्रहण करने का सभी जातियों और धर्मों के लोगों को अधिकार दिया।

05. 1813 ईस्वी में अंग्रेजों ने दास प्रथा का अंत कानून बनाकर किया।
06. 1817 ईस्वी में समान नागरिक संहिता कानून बनाया, 1817 के पहले सजा का प्रावधान वर्ण के आधार पर ब्राह्मण को कोई सजा नहीं होती थी और शूद्र को कठोर दंड दिया जाता था।
07. 1819 ईस्वी में अधिनियम 7 द्वारा ब्राह्मणों द्वारा शूद्र स्त्रियों के शुद्धिकरण पर रोक लगाई। शूद्रों की शादी होने पर दुल्हन को अपने यानी दूल्हे के घर न जाकर कम से कम तीन रात ब्राह्मणों के घर शारीरिक सेवा देनी पड़ती थी। वर्तमान में इसे झूठन प्रथा के रूप में निभाया जाता है।
08. 1830 ईस्वी में नरबलि प्रथा पर रोक लगाई। देवी-देवता को प्रसन्न करने के लिए ब्राह्मण शूद्रों, स्त्री व पुरुषों दोनों को मंदिर में सर पटक पटक कर चढ़ा देता था।
09. 1833 ईस्वी अधिनियम 87 द्वारा सरकारी सेवा में भेदभाव पर रोक लगाई अर्थात् योग्यता ही सेवा का आधार स्वीकार किया गया और कंपनी के अधीन किसी भारतीय नागरिक को जन्म, स्थान, धर्म, जाति या रंग के आधार पर पद से वंचित नहीं रखा जा सकता ऐसा कानून बनाया।
10. 1834 ईस्वी में अंग्रेजों ने भारत में समता वादी शिक्षा नीति लागू की, और पहला भारतीय विधि आयोग का गठन किया। लॉर्ड मैकाले ने ईस्ट इंडिया कम्पनी की तरफ से कई स्कूल खुलवाये।
11. 1835 ईस्वी में प्रथम पुत्र को गंगा दान पर रोक लगाई गई। ब्राह्मणों ने नियम बनाया की शूद्रों के घर यदि पहला बच्चा लड़का पैदा हो तो उसे गंगा में फेंक देना चाहिए, क्योंकि पहला पुत्र हष्ट पुष्ट एवं स्वास्थ्य पैदा होता है ब्राह्मणों को यह डर था कि कहीं बड़ा होकर यह बच्चा ब्राह्मणों से लड़ ना पाए इसीलिए पैदा होते ही गंगा में दान करवा देते थे।
12. 07 मार्च 1835 को लॉर्ड मैकाले ने शिक्षा नीति राज्य का विषय बनाया और उच्च शिक्षा को अंग्रेजी भाषा का माध्यम बनाया गया।
13. 1835 ईस्वी को कानून बनाकर अंग्रेजों ने शूद्रों को कुर्सी पर बैठने का अधिकार दिया।

14. दिसंबर 1829 के नियम 17 द्वारा विधवाओं को जलाना अवैध घोषित कर सती प्रथा का अंत किया।

15. 1837 ईस्वी अधिनियम द्वारा ठगी प्रथा का अंत किया।

16. 1849 ईस्वी में कोलकाता में एक बालिका विद्यालय जेईडी बेटन ने स्थापित किया।

17. 1854 ईस्वी में अंग्रेजों ने विश्वविद्यालय कोलकाता मद्रास और मुंबई में स्थापित किया। 1902 में विश्वविद्यालय आयोग नियुक्त किया गया।



18. 6 अक्टूबर 1860 को अंग्रेजों ने इंडियन पीनल कोड बनाया। लॉर्ड मैकाले ने इंडियन पीनल कोड के द्वारा सदियों से ब्राह्मणों की गुलामी में जकड़े शूद्रों की जंजीरों को काट दिया और भारत में जाति, वर्ण, धर्म के बिना एक समान क्रिमिनल लॉ लागू कर दिया।

19. 1863 ईस्वी अंग्रेजों ने कानून बनाकर चरक पूजा पर रोक लगा दिया। इस पूजा में आलीशान भवन एवं पुल निर्माण पर शूद्रों को पड़कर जिंदा चुनवा दिया जाता था और ऐसी झूठी मान्यता बनाई कि ऐसा करने से भवन पुल निर्माण ज्यादा दिनों तक टिकाऊ रहेंगे।

20. 1867 ईस्वी में बहु विवाह प्रथा पर पूरे देश में प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से बंगाल सरकार ने एक कमेटी गठित किया।

21. 1871 ईस्वी में अंग्रेजों ने भारत में जातिवार जनगणना प्रारंभ की यह जनगणना 1941 तक हुई 1948 में पंडित नेहरू ने कानून बनाकर जातिवार जनगणना पर रोक लगा दी।

22. 1872 ईस्वी में सिविल मैरिज एक्ट द्वारा 14 वर्ष से कम आयु की कन्याओं एवं 18 वर्ष से कम आयु के लड़कों का विवाह वर्जित करके बाल विवाह पर रोक लगाई।

23. 01 मार्च 1943 को अंग्रेजों ने महार और चमार रेजीमेंट बनाकर इन जातियों को सेवा में भर्ती किया। ब्राह्मणों के दबाव के कारण सेना में अछूतों की भर्ती बंद कर दी गई।

24. **रैयत वाड़ी** पद्धति अंग्रेजों ने बनाकर प्रत्येक पंजीकृत भूमिदार को भूमि का स्वामी स्वीकार किया।
25. 1918 ईस्वी में **साउथ ब्यूरो कमेटी** को भारत में अंग्रेजों ने भेजा। यह कमेटी भारत में सभी जातियों का विधि मंडल कानून बनाने की संस्था में भागीदारी के लिए आया था। साहू जी महाराज के कहने पर पिछड़ों के नेता भास्कर राव जाधव ने एवं डॉ अंबेडकर ने अपने लोगों को विधि मंडल में भागीदारी के लिए मेमोरेंडम दिया।
26. 1919 ईस्वी में अंग्रेजों ने **भारत सरकार अधिनियम** का गठन किया।
27. 1919 ईस्वी में अंग्रेजों ने **ब्राह्मणों के जज बनने पर रोक** लगा दी थी और कहा कि उनके अंदर न्यायिक चरित्र नहीं होता है।
28. 25 दिसंबर 1927 को डॉक्टर अंबेडकर द्वारा **मनुस्मृति का दहन** किया। मनुस्मृति में शूद्रों और महिलाओं को गुलाम तथा भोग की वस्तु समझा जाता था एक पुरुष को अनगिनत शादियां करने का धार्मिक अधिकार है महिला अधिकार विहीन तथा दासी की स्थिति में थी।
29. 1927 ईस्वी को अंग्रेजों ने कानून बनाकर **शूद्रों को सार्वजनिक स्थानों** पर जाने का अधिकार दिया।
30. नवंबर 1927 में **साइमन कमीशन** की नियुक्ति की जो 1928 में भारत के अछूत लोगों की स्थिति की सर्वे करने और उनके उनको अतिरिक्त अधिकार देने के लिए आया। भारत के लोगों को अंग्रेज अधिकार न दें सके इसीलिए इस कमीशन के भारत पहुंचते ही गांधी और लाला लाजपत राय ने इस कमीशन के विरोध में बहुत बड़ा आंदोलन चलाया।
31. 01 मार्च 1930 को डॉ आंबेडकर द्वारा **कला राम मंदिर** नासिक प्रवेश का आंदोलन चलाया था।
32. 24 सितंबर 1932 को अंग्रेजों ने **कम्युनल अवार्ड** घोषित किया, जिसमें प्रमुख अधिकार निम्न थे –

#### वयस्क मताधिकार

- विधान मंडलों और संघीय सरकार में जनसंख्या के अनुपात में अछूतों को आरक्षण का अधिकार
- सिख, ईसाई और मुसलमान की तरह अछूतों एससी-एसटी को भी स्वतंत्र निर्वाचन के क्षेत्र का अधिकार मिला जिन क्षेत्रों में अछूत प्रतिनिधि खड़े होंगे उनका चुनाव केवल अछूत ही करेंगे।

- प्रतिनिधियों को चुनने के लिए दो बार वोट का अधिकार मिला जिसमें एक बार सिर्फ अपने प्रतिनिधियों को वोट देंगे दूसरी बार सामान्य प्रतिनिधियों को वोट देंगे।

33. 19 मार्च 1928 को बेगारी प्रथा के विरुद्ध डॉक्टर अंबेडकर ने मुंबई विधान परिषद में आवाज उठाई जिसके बाद अंग्रेजों ने इस प्रथा को समाप्त कर दिया। इस प्रथा के अनुसार शूद्रों को काम के बदले कुछ नहीं दिया जाता था।

34. 1934 ईस्वी में ब्रिटिश सरकार ने बॉम्बे देवदासी संरक्षण अधिनियम पारित कर देवदासी प्रथा पर रोक लगाई। ब्राह्मणों के कहने से शुद्ध अपनी लड़कियों को मंदिर की सेवा के लिए दान देते थे मंदिर के पुजारी उनका शारीरिक शोषण करते थे बच्चा पैदा होने पर उसे फेंक देते थे या फिर उन बच्चों को हरिजन नाम देते थे।



1921 को जातिवाद जनगणना के आंकड़े के अनुसार अकेले मद्रास में

कुल जनसंख्या 04 करोड़ 23 लाख थी जिसमें 02 लाख देवदासियों मंदिरों में पाई गई यह प्रथा अभी भी दक्षिण भारत के मंदिरों में पाई जाती है।

35. 1 जुलाई 1942 से लेकर 10 सितंबर 1946 तक डॉक्टर अंबेडकर को वायसराय की कार्य साधक काउंसिल में लेबर मेंबर बनाया। मजदूरों को डॉक्टर अंबेडकर ने 8.3 प्रतिशत आरक्षण दिलवाया।

36. 1937 ईस्वी में अंग्रेजों ने भारत में प्रोविंशियल गवर्नमेंट का चुनाव करवाया था।

37. 1942 ईस्वी में अंग्रेजों से डॉ० अंबेडकर ने 50 हजार हेक्टेयर भूमि को अच्छूतों एवं पिछड़ों में बांट देने के लिए अपील किया। अंग्रेजों ने 20 वर्षों की समय सीमा तय किया था।

38. अंग्रेजों ने शासन प्रशासन में ब्राह्मणों की भागीदारी को 100 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत पर लाकर खड़ा कर दिया था।



- महा पण्डित राहुल सांस्कृत्यायन, वास्तविक नाम केदारनाथ पाण्डे है जो आजमगढ उत्तर प्रदेश का रहना वाला है। इन्होंने वोल्गा से गंगा नाम की एक पुस्तक लिखी है जो 1942 में इसका पहला प्रकाशन पब्लिक हुआ। इस किताब में नाना साहब पेशवा और मंगल पाण्डे से कहते हैं कि हमें **ब्राह्मणों की आजादी** की लड़ाई लडनी चाहिए।
- अंग्रेजो ने प्रदा प्रथा, सती प्रथा, दास-दासी प्रथा, गंगादान प्रथा, शुद्धिकरण प्रथा, चप्पल प्रथा, डाकन या डायन प्रथा, बाल विवाह प्रथा, दहेज प्रथा, बलि या नर बलि प्रथा, मुंडन प्रथा, कुकडी प्रथा, देवदासी प्रथा, बेगारी प्रथा, बलूतदारी प्रथा, वतनदारी प्रथा अन्य बहुत सारी प्रथाओ को समय समय पर कानून बनाकर समाप्त किया।
- अंग्रेजो के भारत आने तक ब्राह्मणों ने अपने धर्म ग्रन्थों में खुब अवतार पैदा किये, नये नये ईश्वर को कल्पना के आधार पर चार हाथ, आठ हाथ, अठाराह हाथ को जन्म दिया लेकिन जैसे ही अंग्रेजो ने भारत में स्कूल कॉलेज सबके लिये खोले वैसे ही देवी-देवताओं ने अवतार लेना बन्द कर दिया। यहाँ के भोले भाले लोगों को काल्पनिक कहानियों से डरा कर अन्धविश्वास पाखण्ड में झोंका।
- इन्ही सब वजह से ब्राह्मणों ने अंग्रेजो के खिलाफ राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की आड़ में अंग्रेजो को भगाकर सत्ता अपने हाथ में ले ली। क्योंकि अंग्रेजो ने शुद्रो और महिलाओं को सारे अधिकार दे दिये थे और सब जातियो के लोगो को एक समान अधिकार देकर सबका बराबरी मे लाकर खडा किया।
- 3000 वर्षों की गुलामी के बाद भारत में दलितो शोषितो के अच्छे दिन तब आये जब अंग्रेज भारत आये।
- भारत की आजादी की लड़ाई में सबसे ज्यादा कुर्बानी यहां के दलितों शोषितों पिछडो व आदिवासियों ने दी है। लेकिन ब्राह्मण इतिहासकारों ने केवल एक उच्च वर्ग को किताबों में छपा है।

ब्राह्मणों से मुक्ति का मात्र एक निदान  
ब्राह्मण को ना दो दान, मान, मतदान

संदर्भ सूची (Bibliography) -

- बुक्स
- इंटरनेट
- सोसल मीडिया

(कपिल बौद्ध)

## Why revolution and movement against the British?

**Introduction:** The coming of the British to India and ruling over India for 150 years proved to be a boon for the Shudras and women of India and was the biggest turning point for the freedom of Shudras and women. Why did the Brahmins launch an arms-free movement to drive away the British? While India was first attacked by Muslim ruler Mir Kashim in 712 AD, after that Mahmud Ghazni, Mohmand Ghori, Changez Khan attacked and then Qutubuddin Aibak, Ghulamvansh, Tughlaqvansh, Khiljivansh, Lodivansh and then Mughal etc. dynasties attacked India almost. Ruled for 1000 years and committed a lot of atrocities but the Brahmin did not start any revolution or movement? Then why did the revolution and movement start against the British? Let us understand.

### Reasons for revolution and movement against the British -

01. In 1795 AD, the British made a law through Act 11 allowing **Shudras to own property**.
02. In 1773 AD, the East India Company passed a **Regulating Act** in which the justice system was based on **equality**. In 1675, the feudal Brahmin Nand Kumar Dev of Bengal was hanged by this law.
03. The British banned **female feticide** by Act 3 of 1804. As soon as girls were born, they were killed by sticking opium in their mouths, applying Dhatura paste on their breasts, making a pit, pouring milk in it and then drowning them.
04. In 1813 AD, the British government made a law and gave the right to people of all **castes and religions to get education**.
05. In 1813 AD, the British ended slavery by making a law.
06. **Uniform Civil Code** law was made in 1817 AD, before 1817, there was no punishment for Brahmins on the basis of varna and harsh punishment was given to Shudras.
07. In 1819 AD, Act 7 prohibited the purification of Shudra women by Brahmins. When Shudras got married, the bride had to render physical service at the house of Brahmins for at least three nights instead of going to her own i.e. groom's house. Presently it is practiced as a lying tradition.

08. The practice of human sacrifice was banned in 1830 AD. To please the Gods and Goddesses, the Brahmin used to sacrifice both Shudras, men and women by beheading them in the temple.

09. **Discrimination in government service** was prohibited by Act 87 of 1833 AD, that is, merit was accepted as the basis of service and no Indian citizen under the Company could be deprived of a post on the basis of birth, place, religion, caste or colour. Made such a law.

10. In 1834 AD, the British implemented egalitarian education policy in India, and formed the first Indian Law Commission. Lord Macaulay opened many schools on behalf of the East India Company.

11. In 1835 AD, **donation of Ganga** to the first son was banned. Brahmins made a rule that if the first child is born in the house of Shudras, a boy, then he should be thrown in the Ganga, because the first son is born strong and healthy. Brahmins were afraid that when he grows up, this child might fight against Brahmins, that is why he was born As soon as it was over, they would donate it to the Ganga.

12. On March 07, 1835, Lord Macaulay made education policy a state subject and English language was made the medium of higher education.

13. By making a law in 1835 AD, the British gave the **Shudras the right to sit on the chair**.

14. The practice of Sati was abolished by declaring the burning of widows illegal by Rule 17 of December 1829.

15. The practice of cheating was abolished by the 1837 AD Act.

16. JED Baton established a **girls' school** in Kolkata in 1849 AD.

17. In 1854 AD, the British established universities in Kolkata, Madras and Mumbai. University Commission was appointed in 1902.

18. On 6 October 1860, the British created the **Indian Penal Code**. Lord Macaulay, through the Indian Penal Code, cut the chains of the Shudras who had been enslaved by the Brahmins for centuries and implemented a uniform criminal law in India without any caste, caste or religion.



19. 1863 AD The British made a law and banned **Charak Puja**. In this puja, Shudras were sacrificed alive for the construction of luxurious buildings and bridges and a false belief was created that by doing so the buildings and bridges would remain durable for a long time.
20. In 1867 AD, the Bengal government formed a committee with the aim of banning the practice of polygamy in the entire country.
21. In 1871 AD, the **British started the caste-wise census** in India. This census was conducted till 1941. In 1948, Pandit Nehru made a law and banned the caste-wise census.
22. In 1872 AD, the Civil Marriage Act prohibited **child marriage** by prohibiting the marriage of girls below 14 years of age and boys below 18 years of age.
23. On March 01, 1943, the British formed **Mahar and Chamar regiments** and recruited these castes into service. Due to pressure from Brahmins, recruitment of untouchables in the army was stopped.
24. The British created the Rayat Wadi system and accepted every registered landowner as the owner of the land.
25. In 1918 AD, the British sent the **South Bureau Committee** to India. This committee came to India for the participation of all castes in the law making body of the Legislative Assembly. At the behest of Sahu Ji Maharaj, backward class leader Bhaskar Rao Jadhav and Dr. Ambedkar gave a memorandum to their people for participation in the Legislative Council.
26. In 1919 AD, the British formed the Government of India Act.
27. In 1919 AD, the British had **banned Brahmins** from becoming judges and said that they do not have judicial character.
28. **Manusmriti** was burnt by Dr. Ambedkar on 25 December 1927. In Manusmriti, Shudras and women were considered slaves and objects of enjoyment. A man has the religious right to marry innumerable. Women were without rights and in the position of slaves.
29. In 1927 AD, the British made a law giving Shudras the right to go to public places.
30. In November 1927, the Simon Commission was appointed which came in 1928 to survey the condition of the untouchable people of India and to give them additional rights. The

British could not give rights to the people of India, that is why as soon as this commission reached India, Gandhi and Lala Lajpat Rai launched a huge movement against this commission.

31. On March 01, 1930, the movement to enter **Kala Ram Mandir Nashik** was started by Dr. Ambedkar.

32. On 24 September 1932, the British declared the **Communal Award**, in which the main rights were as follows -

### **Adult franchise**

- Right to reservation for untouchables in proportion to population in legislatures and federal government
- Like Sikhs, Christians and Muslims, the untouchable SC-ST also got the right to have independent electorate. Only the untouchables will elect the areas in which untouchable representatives will stand.
- They got the right to vote twice to elect the representatives, once they would vote only for their own representatives and second time they would vote for the general representatives.

33. On March 19, 1928, Dr. Ambedkar raised his voice in the Mumbai Legislative Council against the practice of forced labor, after which the British abolished this practice. According to this tradition, Shudras were not given anything in return for their work.

34. In 1934 AD, the British government passed the Bombay Devdasi Protection Act and banned the Devdasi practice. At the behest of the Brahmins, they would donate their pure girls for the service of the temple. The temple priests would physically exploit them. They would throw away the children when they were born or they would name those children Harijan.

According to the caste census data of 1921, the total population in Madras alone was 04 crore 23 lakhs out of which 02 lakhs were found in Devadasi temples. This practice is still found in the temples of South India.

35. From 1 July 1942 to 10 September 1946, Dr. Ambedkar was made a labor member in the Viceroy's Work Seekers Council. Dr. Ambedkar provided 8.3 percent reservation to the labourers.

36. In 1937 AD, the British had conducted provincial government elections in India.

37. In 1942, Dr. Ambedkar appealed to the British to distribute 50 thousand hectares of land among the untouchables and backward people. The British had set a time limit of 20 years.

38. The British had reduced the participation of Brahmins in government administration from 100 percent to 2.5 percent.

- Maha Pandit Rahul Sanskritayan, real name is Kedarnath Pandey who is a resident of Azamgarh, Uttar Pradesh. He has written a book named Volga to Ganga, its first publication was published in 1942. In this book, Nana Saheb tells Peshwa and Mangal Pandey that we should fight for the freedom of Brahmins.
- The British introduced Prada system, Sati system, Das-Dasi system, Gangadaan system, purification system, sandal system, Dakan or Daayan system, child marriage system, dowry system, Bali or male sacrifice system, Mundan system, Kukadi system, Devdasi system, The forced labor system, Balutdari system, Vatandari system and many other practices were abolished by making laws from time to time.
- Till the British came to India, Brahmins created many incarnations in their religious texts, gave birth to new Gods with four hands, eight hands, eighteen hands on the basis of imagination, but as soon as the British opened schools and colleges for everyone in India, the same happened. Gods and Goddesses stopped taking incarnation. By scaring the innocent people here with imaginary stories, they induced them into superstition and hypocrisy.
- Due to all these reasons, Brahmins took power in their hands by driving away the British under the guise of national independence movement against the British. Because the

British had given all the rights to Shudras and women and by giving equal rights to people of all castes, they made everyone equal.

- The Dalits, exploited backward people and tribals have made the maximum sacrifice in India's freedom struggle. But Brahmin historians have published only one upper class in the books.
- After 3000 years of slavery, the good days of Dalits and Dalits in India came when the British came to India.

## **Bibliography**

- 1-books
- 2-Internet
- 3-Social Media

**(Kapil Buddh)**